

जगदेवराम उरांव- निधन

विकास परख अब वेबसाइट पर उपलब्ध

www.vikasparakh.com

मोक्षदा बनी कुलपति...



विकास परख



● वर्ष- 6,

● अंक- 4

● रायपुर, 1 अगस्त 2020

● मूल्य -30 रुपए

● पृष्ठ- 32

पाठकों के लिए विशेष सूचना

कोविड-19 संकट और लॉकडाउन के दौर में विकास परख मासिक अंकों के प्रकाशन एवं वितरण में विलंब हो रहा है। सुधि पाठकों की सुविधा के लिए विकास परख के वेबसाइट पर नियमित सम-सामयिक समाचार एवं विशेष अध्ययन सामग्री पोस्ट की जा रही है। जिसका अवलोकन करें।

www.vikasparakh.com

विषय क्रम



» छत्तीसगढ़- नंदी प्रतिमा



» छत्तीसगढ़ विभूति



» छग खैरवार जनजाति



» छग लोकपर्व-कमरछठ

निगम - मंडलों में प्रमुखों की नियुक्तियां

छत्तीसगढ़ सरकार ने आयोग, निगम और मंडलों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की सूची जारी कर दी है. आयोग, निगम और मंडलों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों के पदों पर कुल 32 नेताओं को समायोजित किया गया है. इनमें 14 रायपुर संभाग के, 4-4 बिलासपुर-दुर्ग-सरगुजा संभाग के और 6 बस्तर संभाग के नेता शामिल हैं. हालांकि अभी भी कुछ निगम, मंडल और आयोग में नियुक्तियां होनी बची हैं.

नाम

कुलदीप जुनेजा-
शैलेश नितिन त्रिवेदी-
गिरीश देवांगन-
देवेन्द्र बहादुर सिंह-
किरणमयी नायक-
राम गोपाल अग्रवाल-
सुभाष धुण्ड-
महेश शर्मा-

सतीश अग्रवाल-

करुणा शुक्ला-
नितिन सिन्हा-
राजकुमारी दिवान-
राजेन्द्र तिवारी-
सुरेंद्र शर्मा-
चन्दन कश्यप-
एम. आर. निषाद-
मिथिलेश स्वर्णकार-
नितिन पोटाई-
छविंद्र कर्मा-
कल्पना सिंह-
बालकृष्ण पाठक-
शफी अहमद-
अजय अग्रवाल -
गुरप्रीत बाम्बरा-
महंत राम सुंदर दास-
बैजनाथ चंद्राकर-
थानेश्वर साहू-
पद्मा मनहर-
अरुण चोरा-
धनेश पटिला-
महेश चन्द्रवंशी-
नीता लोधी-

निगम / मंडल/ आयोग

अध्यक्ष हाउसिंग बोर्ड
अध्यक्ष पाठ्य पुस्तक निगम
अध्यक्ष खनिज विकास निगम
अध्यक्ष राज्य वन विकास निगम
अध्यक्ष, महिला आयोग
अध्यक्ष सिविल सप्लाइ कापोरेशन
अध्यक्ष RDA
सदस्य सदस्य भवन एव सन्निर्माण कर्मकार मण्डल
सदस्य भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार मण्डल
अध्यक्ष, समाज कल्याण बोर्ड
सदस्य पाठ्य पुस्तक निगम
उपाध्यक्ष, ST आयोग
अध्यक्ष, खड़ी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड
अध्यक्ष राज्य कृषक कल्याण परिषद
विधायक, हस्तशिल्प विकास बोर्ड
अध्यक्ष मछुवारा कल्याण बोर्ड
अध्यक्ष, अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी
सदस्य, ST आयोग
उपाध्यक्ष, औषधि पादप बोर्ड
सदस्य, समाज कल्याण बोर्ड
अध्यक्ष औषधि एवम पादप बोर्ड
अध्यक्ष श्रमिक कल्याण बोर्ड
उपाध्यक्ष, 20 सूत्रीय कार्यक्रम
अध्यक्ष, खाद्य आयोग
अध्यक्ष गौ सेवा आयोग
अध्यक्ष अपेक्स एवम सहकारी बैंक
अध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग आयोग
सदस्य, अजा आयोग
अध्यक्ष वेयर हाउस कापोरेशन
अध्यक्ष अन्तव्यवसाय सहकारी वित्त विकास निगम
सदस्य, पिछड़ा वर्ग आयोग
उपाध्यक्ष, अन्तव्यवसाय सहकारी वित्त विकास निगम

15 संसदीय सचिव बने

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने रायपुर निवास परिसर में आयोजित सादगीपूर्ण एवं गरिमामय समारोह में 15 विधायकों को संसदीय सचिव के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। शपथ ग्रहण कार्यक्रम के तुरंत बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अनुमोदन से सभी नव-नियुक्त संसदीय सचिवों को मंत्रियों से सम्बद्ध करने का आदेश भी जारी कर दिया गया।

संसदीय सचिव

द्वारिकाधीश यादव-

विनोद सेवन चंद्राकर-
गुरुदयाल सिंह बंजारे-
चन्द्रदेव प्रसाद राय-
शिशुपाल सोरी -
सुश्री शकुन्तला साहू -
विकास उपाध्याय-
श्रीमती अंबिका सिंहदेव-

यू.डी. मिंज-

पारसनाथ राजवाड़े-

इंद्रशाह मण्डावी-

कुंवरसिंह निषाद-

डॉ. श्रीमती रश्मि आशीष सिंह-

रेखचंद जैन-

विभाग

स्कूल शिक्षा और आदिम जाति विकास

स्वास्थ्य एवं पंचायत

वन एवं परिवहन

कृषि एवं जल संसाधन
गृह और लोक निर्माण मंत्री
लोक स्वास्थ्य यात्रिकी और ग्रामोद्योग

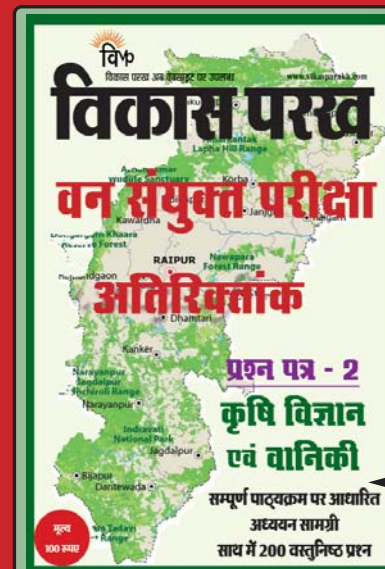
वाणिज्यिक कर (आबकारी) और उद्योग

उच्च शिक्षा और खेल एवं युवा कल्याण

राजस्व एवं वाणिज्यिक कर (पंजीयन एवं मुद्रांक)

खाद्य एवं संस्कृति मंत्री
महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण

नगरीय प्रशासन एवं श्रम



Forest Exam 2020

प्रश्न पत्र-2 के लिए पाठ्यक्रम पर पूर्णतः आधारित

बाजार में

उपलब्ध/ डाक द्वारा प्राप्त कर सकते हैं
संपर्क- 7587776754

प्रश्न पत्र -2 के शेष विषयों पर केंद्रित

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

श्री
घ
प्र
का
शि
त

वार्षिकी 2020 उपलब्ध

संपर्क सूत्र- 7587776754 E-mail-mail.vikasparakh@gmail.com

नियुक्ति

दिलीप वासनीकर



राज्य शासन द्वारा दिलीप वासनीकर को छत्तीसगढ़ का नया विभागीय जांच आयुक्त नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी वासनीकर को विभागीय जांच आयुक्त छत्तीसगढ़ के पद पर एक वर्ष के लिए संविदा नियुक्ति दी गई है। राज्य शासन के आदेश के परिपालन में वासनीकर ने 6 जुलाई को पूर्वान्ह में अपना पदभार ग्रहण किया।

ममता चन्द्राकर

छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुइया उइके ने मोक्षदा चन्द्राकर अका ममता चन्द्राकर को इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ का कुलपति नियुक्त किया है। राज्यपाल एवं कुलाधिपति इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ अनुसुइया उइके द्वारा जारी आदेश में यह उल्लेखित किया गया है कि मोक्षदा चन्द्राकर का कार्यकाल, उपलब्धियां तथा सेवा शर्त विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम में निहित प्रावधान अनुसार होंगी। छत्तीसगढ़ की लोक गायिका, देश-विदेश में अपनी कला का प्रदर्शन करने वाली ममता चंद्राकर को खैरागढ़, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय द्वारा डी लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा उन्हें सन 2016 में भारत सरकार द्वारा कला के क्षेत्र में पद्मश्री से और 2013 छत्तीसगढ़ रत्न में अलंकृत की गयीं।



निधन

जगदेवराम उरांव



अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष जगदेवराम उरांव अब नहीं रहे। दिल का दौरा पड़ने से कल्याण आश्रम के मुख्यालय जशपुर नगर में उनका निधन हो गया। वह 72 वर्ष के थे और छग के कोमोड़ो गाँव के निवासी थे और गत दो वर्षों से पेफड़े एवं हृदय संबंधी रोगों से पीड़ित थे। 1995 में आश्रम के संस्थापक अध्यक्ष वनयोगी बालासाहब देशपाण्डेजी के स्वर्गवास के उपरांत जगदेवरामजी के ऊपर कल्याण आश्रम का नेतृत्व करने का गुरुतर दायित्व आ गया था। इससे पहले उनका कल्याण आश्रम में प्रवेश 1968 में आश्रम द्वारा संचालित विद्यालय में शिक्षक के रूप में हुआ था। स्वर्गीय देशपाण्डेजी ने 1980 के दशक में कल्याण आश्रम के कार्य विस्तार हेतु भारत भ्रमण किया था तब सतत सहयोगी के रूप में जगदेवराम उरांव जी भी साथ रहे हैं। उपाध्यक्ष के रूप में भी लंबे समय तक कल्याण आश्रम का दायित्व निभाया। इसके बाद कार्यकारी अध्यक्ष का जिम्मा 1993 में हुए कटक सम्मेलन में सौंपा दिया गया था। उनके नेतृत्व में कई सेवा कार्य

और राहत कार्य करने में कल्याण आश्रम सफल रहा है। अभी कल्याण आश्रम का कार्य देश के लगभग 500 जनजाति समूह तक व्याप्त हुआ है। आश्रम का कार्य का पहुंच 50000 से अधिक गाँवों तक व्याप्त हो चुका है। वर्तमान समय में हमारा प्रकल्पों की संख्या 20000 से अधिक हो गया है और देश के लगभग सभी प्रांतों के 14000 गाँवों में अपना नियमित कार्य चल रहा है। ये सब कार्यों का मुख्य श्रेय जगदेव रामजी को जाता है।

पुरस्कार/सम्मान

मनरेगा रोजगार - देश में दूसरे स्थान पर



मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) कार्यों में चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में मनरेगा जाँबकॉर्डधारी परिवारों को 100 दिनों का रोजगार देने में छत्तीसगढ़ देश में प्रथम स्थान पर है। अप्रैल, मई और जून में कुल 55 हजार 981 परिवारों को 100 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया गया है। देश में 100 दिनों का रोजगार हासिल करने वाले कुल परिवारों में अकेले छत्तीसगढ़ की हिस्सेदारी करीब 41 प्रतिशत है। इस दौरान आठ करोड़ 84 लाख 50 हजार मानव दिवस रोजगार का सृजन किया गया है। ग्रामीणों को रोजगार देने में नक्सल प्रभावित जिलों ने अच्छा काम किया है। प्रदेश में लक्ष्य के विरुद्ध सर्वाधिक रोजगार देने वाले पहले पांच जिले बस्तर संभाग के हैं। भारत सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में छत्तीसगढ़ के लिए कुल 13 करोड़ 50 लाख मानव दिवस का लेबर बजट स्वीकृत किया है। प्रदेश में लक्ष्य के विरुद्ध रोजगार देने में नारायणपुर जिला सबसे आगे है। वहां 84 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया है। प्रदेश के नौ अन्य जिलों ने भी 70 प्रतिशत से अधिक काम पूर्ण कर लिया है। सुकमा 78 प्रतिशत, बीजापुर 77 प्रतिशत, बस्तर 74 प्रतिशत, कोंडागांव और रायगढ़ 73-73 प्रतिशत, कांकेर और दंतेवाड़ा 72-72 प्रतिशत, कोरबा और गरियाबंद 71-71 प्रतिशत ने भी इस साल के लक्ष्य का 70 प्रतिशत से अधिक हासिल कर लिया है। शेष 18 जिलों ने भी 60 प्रतिशत से अधिक रोजगार सृजन कर लिया है।

कबीरधाम जिला राज्य में अग्रणी

कबीरधाम जिला वित्तीय वर्ष 2020-21 में अब-तक सर्वाधिक परिवारों को 100 दिनों का रोजगार देने में राज्य में प्रथम स्थान पर है, वहीं बिलासपुर और राजनांदगांव जिले क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर है। पूरे राज्य में जून माह तक 55 हजार 981 परिवारों को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया गया है, जिसमें से कबीरधाम जिला में सर्वाधिक 6 हजार 139 परिवारों को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराए गए हैं, जो कि पूरे प्रदेश का 11 प्रतिशत है। कबीरधाम जिले में इस वित्तीय वर्ष में 1 लाख 47 हजार 862 परिवारों को रोजगार देते हुए अब तक 63.49 लाख से अधिक मानव दिवस रोजगार का सृजन किया जा चुका है।

जन्म के समय लिंगानुपात में छग देश में अग्रणी

प्रदेश में 1000 पुरुषों की तुलना में 958 महिलाएं

छत्तीसगढ़ में बेटियों की सुरक्षा को लेकर किये जा रहे राज्य सरकार के प्रयासों का असर दिख रहा है। ताजा जारी आंकड़ों के अनुसार जन्म के समय लिंगानुपात (एसआरबी) में छत्तीसगढ़ देशभर में अग्रणी है। प्रदेश में अन्य राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की तुलना में लिंगानुपात कहीं बेहतर है।

हाल ही में रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त द्वारा वर्ष 2018 के आंकड़े जारी किए गए हैं, जिसमें छत्तीसगढ़ में 1000 पुरुषों की तुलना में 958 महिला हैं। वहीं, प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में भी लिंगानुपात सर्वाधिक 976 है। जबकि राष्ट्रीय स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में 1000 पुरुषों की तुलना में 900 महिला हैं। इन आंकड़ों से पता चलता है कि देश के सर्वाधिक शिक्षित राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में कन्या भ्रूण हत्या और महिला सुरक्षा को लेकर प्रदेश सरकार संजीदगी से कार्य कर रही है।

ज्ञात हो कि प्रदेश में बेटियों की सुरक्षा के लिए जन जागरूकता के साथ ही सरकारी प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश में मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना सहित कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं साथ ही सोनोग्राफी सेंटर्स पर ट्रैकिंग सिस्टम लगाए गए हैं। इन प्रयासों का ही असर है कि छत्तीसगढ़ शिक्षित राज्यों को पीछे छोड़कर लिंगानुपात में टॉप पर है।

कृषि/वन/खनिज

धान की कतार बोनी विधि

धान की कतार बोनी विधि में कम लागत आती है साथ ही कम वर्षा में भी उपज पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है। किसान छिटकवां विधि से धान की बुवाई करते हैं और बुवाई के एक माह बाद बियासी करके धान की निंदाई एवं गुड़ाई करते हैं। इस प्रक्रिया में सही समय पर यदि बारिश नहीं होती तो किसान बियासी प्रक्रिया में पिछड़ जाते हैं। इन परिस्थितियों की वजह से कई किसान खेतों में घास की अधिकता के कारण आधार खाद का उपयोग भी नहीं कर पाते, जिसकी वजह से धान की उपज में काफी कमी आ जाती है। वैज्ञानिकों ने बताया कि बीज उर्वरक बुवाई यंत्र द्वारा बुवाई के तुरंत पश्चात नींदानाशक का उपयोग कर खरपतवारों को रोका जा सकता है। इस विधि द्वारा उत्पन्न धान की उपज रोपाई वाले धान के बराबर आती है। कतार बोनी में निंदाई, रोपाई की जरूरत नहीं पड़ती है। छिटकवा विधि की तुलना में फसल 10-15 दिन जल्दी पकती है। जिससे मिट्टी में उपलब्ध नमी का उपयोग कर किसान दूसरी फसल भी ले सकते हैं।

कोरबा के काले चावल का जादू, ऑनलाइन बाजार में 400 रुपये प्रति किग्रा

कोरबा के काले चावल का जादू बंगाल से लेकर ऑनलाइन बाजार तक पर कायम होता जा रहा है। औषधीय गुणों से भरपूर सेहत के लिए लाभकारी चावल को बाजार मिलने के साथ उत्पादन का रकबा दो साल के अंदर 10 एकड़ से बढ़कर इस वर्ष 250 एकड़ पहुंच गया है। देश के अन्य हिस्सों में भी शूगर के मरीजों के लिए भी उपयोगी इस चावल का उत्पादन होता है परंतु छत्तीसगढ़ के सरगुजा तथा बस्तर के वनों से सटे क्षेत्रों के काले चावल को गुण और स्वाद अपनी विशेषता से पहचान बना रहा है।

नियुक्ति इंजेती श्रीनिवास



1983 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी इंजेती श्रीनिवास को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (IFSCA) के प्रथम अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। इंजेती श्रीनिवास 31 मई, 2020 को कारपोरेट मामलों के मंत्रालय के सचिव के रूप से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। उन्हें अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में तीन साल की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण

इस प्राधिकरण में 9 सदस्य हैं जिन्हें भारत सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है। इन सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष का होता है। इसके सदस्यों में अध्यक्ष, वित्त मंत्रालय के दो सदस्य, RBI, SEBI, IRDAI और PFRDA के एक-एक सदस्य और खोज समिति की सिफारिश के आधार पर दो सदस्य शामिल होते हैं।

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र कॉर्पोरेट्स, व्यक्तियों और सरकारों को फंड जुटाने की सेवाएं प्रदान करेगा। यह वैश्विक कर प्रबंधन, धन प्रबंधन, विलय, जोखिम प्रबंधन संचालन आदि पर भी फोकस करेगा।

IFSCA भारत में IFSCs के लिए एक एकीकृत प्राधिकरण के रूप में कार्य करेगा। इससे सेबी, आरबीआई और आईआरडीएआई जैसे अन्य कई नियामकों का बोझ कम होगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि वर्तमान में सभी बीमा व पूंजी बाजार उनके द्वारा विनियमित किए जा रहे हैं।

इंद्र मणि पांडे

जिनेवा, स्विट्जरलैंड में संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के लिए, 1990 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी इंद्र मणि पांडे को भारत के अगले राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय में, इंद्र मणि पांडे वर्तमान में अतिरिक्त सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

अरुण कुमार

22 जुलाई, 2020 को श्री अरुण कुमार को अंतरराष्ट्रीय रेलवे संघ के उपाध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है।

मुख्य बिंदु

यूआईसी महासभा में यह निर्णय लिया गया। इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेलवे को यूनियन इंटरनेशनल डेस केमिन्स (यूआईसी) भी कहा जाता है।

UIC

UIC का मुख्यालय पेरिस में है। यह व्यक्तियों, प्रतिष्ठानों और संपत्ति की सुरक्षा से संबंधित मामलों में रेल क्षेत्र की ओर से नीति विकसित करने में सक्षम है। यह यूआईसी की सुरक्षा एजेंसियों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है।

रेलवे का अंतरराष्ट्रीय संघ

इसकी स्थापना 1922 में 51 सदस्यों के साथ हुई थी। आज इसके 194 सदस्य हैं। भारत इस संघ का एक सक्रिय सदस्य है। इसमें लोकोमोटिव, एक्सल व्यवस्था, माल

वैगन और कोचों का वर्गीकरण स्थापित किया गया है।

साहिल सेठ

22 जुलाई, 2020 को मुंबई सीमा शुल्क उपायुक्त साहिल सेठ को ब्रिक्स चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के लिए संचालन समिति के मानद सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया था। यह भूमिका स्वैच्छिक आधार पर है। पद के लिए कोई पारिश्रमिक शामिल नहीं है।

ब्रिक्स सी.सी.आई.

ब्रिक्स चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री एक मूल संगठन है जो ब्रिक्स में वाणिज्य और उद्योग को बढ़ावा देता है। यह 2012 में स्थापित किया गया था। ब्रिक्स सीसीआई का मुख्य उद्देश्य एमएसएमई खंड के लिए समर्थन प्रणाली बनाना है। ब्रिक्स सीसीआई का उद्देश्य मुख्य रूप से युवा उद्यमियों तक पहुंच बनाना है।

ब्रिक्स

ब्रिक्स समूह में दुनिया की पांच प्रमुख अर्थव्यवस्थाएँ शामिल हैं, जैसे ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका। यह विश्व जनसंख्या का 42%, विश्व जीडीपी का 23% और विश्व व्यापार का 18% प्रतिनिधित्व करता है।

अशोक लवासा

15 जुलाई, 2020 को अशोक लवासा को एशियाई विकास बैंक के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था।

मुख्य बिंदु

अशोक लवासा, 1980 बैच के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं। वह चुनाव आयुक्त के रूप में सेवारत थे और मुख्य चुनाव आयुक्त बनने की कतार में हैं। उन्हें अब सार्वजनिक-निजी भागीदारी और निजी क्षेत्र के संचालन के लिए एडीबी के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।

लवासा के बारे में

लवासा अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले पोल पैल से हटने वाले दूसरे चुनाव आयुक्त होंगे। 1973 में मुख्य चुनाव आयुक्त नागेंद्र सिंह के साथ भी ऐसा ही हुआ था। हेग में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में उन्हें न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था।

लवासा दिवाकर गुप्ता का स्थान लेंगे जिसका कार्यकाल 31 अगस्त को समाप्त हो रहा है।

एशियाई विकास बैंक

एडीबी एक क्षेत्रीय विकास बैंक है जिसका उद्देश्य एशिया में सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। इसकी स्थापना दिसंबर 1966 में की गयी थी। इसका मुख्यालय मनीला (फिलीपींस) में स्थित है। इसके कुल 68 सदस्य हैं, जिनमें से 48 एशिया और प्रशांत क्षेत्र जबकि बाकी 19 अन्य क्षेत्र के हैं। एडीबी का मुख्य उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए ऋण, तकनीकी सहायता, अनुदान और इक्रिटी निवेश प्रदान करके अपने सदस्यों और भागीदारों की सहायता करना है।

पुरस्कार/सम्मान

हिमाचल प्रदेश भारत का पहला राज्य बन गया है जहाँ हर घर में एलपीजी गैस कनेक्शन है

हिमाचल प्रदेश राज्य के सभी घरों में एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्ध हैं, जिससे उज्वला योजना के शुभारंभ के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने वाला हिमाचल प्रदेश देश का पहला राज्य बन

गया है। प्रधानमंत्री उज्वला योजना के अलावा, हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार की योजना 'हिमाचल गृहिणी सुविधा योजना' ने राज्य में 100 प्रतिशत घरेलू रसोई गैस कनेक्शन प्राप्त करने के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सरकारी भूमि की सुरक्षा: भारत का पहला राज्य बना ओडिशा

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग

ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में सभी सरकारी भूमि पर नजर रखने के लिए वेब और मोबाइल आधारित समाधान 'BLUIS'- भुवनेश्वर भूमि उपयोग खुफिया प्रणाली को 8 जुलाई, 2020 को लांच किया गया। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने BLUIS को लांच किया। सरकारी भूमि में अतिक्रमणों का पता लगाने के लिए दशकों से उपयोग किए जा रहे तंत्र के वर्तमान मैनुअल मोड में पर्याप्त पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी के कारण BLUIS लॉन्च किया गया।

BLUIS

भुवनेश्वर भूमि उपयोग खुफिया प्रणाली (Bhubaneswar Land Use Intelligence System) एक जिओ-टैग्ड रिपॉजिटरी है जो भुवनेश्वर में सभी सरकारी भूमि की निगरानी करेगा। यह उच्च-रिज़ॉल्यूशन उपग्रह इमेजरी का उपयोग करके किया जाएगा। भूमि पर कब्जा करने वालों द्वारा सरकारी जमीनों को अतिक्रमण से बचाने के लिए ब्रह्मस के लॉन्च से ओडिशा देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जिसने सैटेलाइट तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया है।

मुकदमेबाजी प्रबंधन प्रणाली लांच की गयी (Litigation Management System)

सरकारी अधिकारियों और अधिवक्ताओं के बीच 'एंड टू एंड' संचार के लिए मुख्यमंत्री ने 'मुकदमेबाजी प्रबंधन प्रणाली' नामक ऑनलाइन एप्लीकेशन का लांच किया। BLUIS और मुकदमेबाजी प्रबंधन प्रणाली उन 8 प्रौद्योगिकी-संचालित समाधानों में से हैं, जिन्हें 8 जुलाई 2020 को मुख्यमंत्री द्वारा 5T पहल के तहत लॉन्च किया गया था।

डॉ. के. सिवान ने इंटरनेशनल अकेडमी को 2020 वॉन कर्मन पुरस्कार जीता



भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष डॉ. कैलासादिवु सिवान को 2020 वॉन कर्मन पुरस्कार के प्राप्तकर्ता के रूप में नामित किया गया है। यह पुरस्कार इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ एस्ट्रोनॉटिक्स द्वारा गठित किया गया था और मार्च 2021 में पेरिस में प्रदान किया जाएगा। इसका नाम एयरोस्पेस इंजीनियर और वायुगतिकी विशेषज्ञ थियोडोर वॉन कर्मन के नाम पर रखा गया है। के. सिवान, कस्तूरीरंगन और यू.आर. राव के बाद यह पुरस्कार पाने वाले केवल तीसरे भारतीय हैं।

के. सिवान

के. सिवान तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले से हैं। उन्होंने मद्रास इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से 1980 में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ

मैंग्रोव की सिल्विकल्चर

दुनिया के अधिकांश क्षेत्रों में, मैंग्रोव संरचनाओं का केवल स्थायी आधार पर संसाधन के प्रबंधन के लिए बहुत कम या कोई प्रयास नहीं किया गया है। मैंग्रोव वनों के प्रबंधन और स्पष्ट-फेलिंग सिल्विकल्चरल सिस्टम का अभ्यास सीमित देशों में किया जाता है, ज्यादातर एशिया में, हालांकि हाल के वर्षों में कई देशों ने मैंग्रोव वृक्षारोपण की स्थापना और अपमानित मैंग्रोव संरचनाओं के पुनर्वास को गंभीरता से लिया है। यह लेख इन स्थितियों में से कुछ और व्यापक आधार पर उनकी संभावित प्रयोज्यता की जांच करता है। मैंग्रोव दुनिया के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय देशों में तटीय क्षेत्रों में आश्रय वाले तटों और नदी तटों पर होने वाले अंतःविषय क्षेत्रों में होने वाली वनस्पति के सबसे परिचित रूपों में से एक हैं।



मैंग्रोव आवास और विशेषताओं

दुनिया की मैंग्रोव वनस्पति को दो व्यापक समूहों में विभाजित किया जा सकता है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में होने वाली पुरानी दुनिया मैंग्रोव अफ्रीका के पूर्वी तट से दक्षिण प्रशांत में समोआ तक फैली हुई है। दूसरा समूह, नई दुनिया मैंग्रोव, मॉरिटानिया और अंगोला के बीच अफ्रीका के पश्चिमी तट पर, अमेरिका में बारबाडोस और ब्राजील के बीच पूर्वी तट पर और मैक्सिको और उत्तरी पेरू के बीच पश्चिमी तट पर होता है। इंडोनेशिया में मैंग्रोव वन का सबसे बड़ा कुल क्षेत्र है, जबकि बांग्लादेश में सुंदरवन दलदल क्षेत्र और भारत दुनिया में मैंग्रोव वन का सबसे बड़ा एकल हिस्सा है। मैंग्रोव वनस्पति में मुख्य रूप से पेड़ और झाड़ियाँ शामिल हैं, जिनमें सीमित संख्या में हथेलियाँ और लायनियाँ होती हैं। मैंग्रोव की वैश्विक स्थिति पर विश्व संरक्षण संघ की रिपोर्ट (IUCN, 1983) 61 प्रजातियों को सूचीबद्ध करती है। प्रमुख मैंग्रोव प्रजातियाँ 15 से कम परिवारों से संबंधित हैं, लेकिन सबसे अधिक बार होने वाले मैंग्रोव राइजोफोरेशिया, सोनानेरटिएसी और एविसेनियासी से संबंधित हैं। सुंदरवन, जहाँ परिवारों के सदस्य Sterculiaceae और Euphorbiaceae भविष्यवाणी करते हैं, एक अपवाद है।

मैंग्रोव उन परिस्थितियों में विकसित होते हैं जहाँ कुछ अन्य पौधों की प्रजातियाँ बच सकती हैं (हचिंग्स और सैगर, 1987)। मैंग्रोव की घटना कई कारकों और महत्वपूर्ण शारीरिक अनुकूलन पर निर्भर है जो वनस्पतियों को सटीक वातावरण में पनपने में सक्षम बनाते हैं और जिनमें सिल्विकल्चरल निहितार्थ भी होते हैं।

मैंग्रोव पर्यावरण मुख्य रूप से खारा है, और वनस्पति तीन अलग-अलग तंत्रों का उपयोग करके बढ़ता और पनपता है जो अतिरिक्त नमक का सामना करते हैं। सेरियोप्स, एक्कोकेरिया और राइजोफोरा की नमक-बहिष्कृत प्रजातियों की जड़ें खारे पानी से केवल मीठे पानी को सोखने की प्रक्रिया के माध्यम से अवशोषित कर सकती हैं (स्कोलेन्डर, 1968)। Avicennia और Sonneratia की प्रजातियाँ अपनी पत्तियों में ग्रंथियों द्वारा अपने ऊतकों की नमक सामग्री को विनियमित कर सकती हैं। जाइलोकार्पस सपा, लुमिनेत्सेरा सपा और सोनानेरिया सपा। पुरानी पत्तियों, जड़ों और छाल (जोश), जमाले और भोसल, 1975 में नमक जमा करना। मैंग्रोव पौधे भी मरुस्थलीय पौधों के समान ही प्रदर्शित करते हैं, जो जल का संरक्षण करते हैं (हचिंग्स एंड सैन्जर, 1987)।

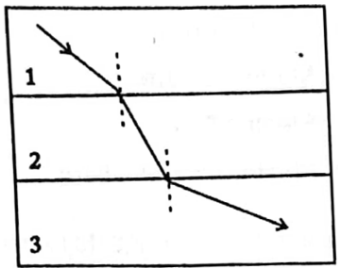
मैंग्रोव उन क्षेत्रों में होते हैं जहाँ मजबूत लहर क्रियाएं

अनुपस्थित होती हैं। मैंग्रोव की सबसे व्यापक वृद्धि नदियों और संरक्षित लैगून और तटीय झीलों के मुहल्लों में देखी जा सकती है। मैंग्रोव उच्च आर्द्रता वाले क्षेत्रों में होते हैं और उनकी शानदार वृद्धि अक्सर उच्च वर्षा से जुड़ी होती है। न्यूनतम वायु तापमान और तापमान में मौसमी विविधताएं मैंग्रोव की वृद्धि में महत्वपूर्ण हैं। जैसा कि चैपमैन (1975-1977) द्वारा उद्धृत किया गया है, सबसे अच्छा मैंग्रोव विकास और विकास होता है, जहाँ मौसमी तापमान भिन्नता 10°C से अधिक नहीं होती है और जहाँ सबसे ठंडे महीने में हवा का तापमान 10°C से अधिक होता है। मैंग्रोव मिट्टी उच्च नमक और पानी, कम ऑक्सीजन और उच्च हाइड्रोजन सल्फाइड सामग्री की विशेषता है और इसमें ह्यूमस (मैक्ने, 1968) का उच्च अनुपात होता है। मैंग्रोव का सबसे अच्छा विकास और विकास जलोढ़ और मैला मिट्टी पर होता है जो आम तौर पर जल-जनित मिट्टी के कणों के जमाव से बनता है। मैंग्रोव मिट्टी सतह की परत को छोड़कर ज्यादातर जहरीली होती है जिसमें जड़ें फैल जाती हैं (रग, 1987)। नतीजतन, आम तौर पर उथली जड़ प्रणाली होती है और इसलिए यह मजबूत हवा का सामना नहीं कर सकती है और एक आश्रय आवास में बेहतर रूप से विकसित हो सकती है। मैंग्रोव बीज और प्रचार विशेष रूप से पानी द्वारा छितराया जाता है और इसलिए उनका वितरण ज्वार से काफी प्रभावित होता है जो उन्हें ऊपर और नीचे दोनों तरफ ले जाता है। ज्वारीय श्रेणी, एक क्षेत्र की स्थलाकृति के साथ मिलकर मैंग्रोव विकास की पार्श्व सीमा को नियंत्रित करती है। ज्वार की सीमा जितनी अधिक होगी, मैंग्रोव समुदायों (हचिंग्स और सैन्जर, 1987) के लिए उपलब्ध ऊर्ध्वाधर सीमा अधिक होगी। ज्वार भी मैंग्रोव क्षेत्रों में पानी की लवणता की एकाग्रता में बदलाव लाते हैं। बड़ी संख्या में महत्वपूर्ण मैंग्रोव प्रजातियों (राइजोफोरा, सेरियोप्स, ब्रुगुइरा, कैडेलिया और नीपा) की एक अन्य उल्लेखनीय घटना यह है कि उनके बीज रोपे में विकसित होते हैं, जबकि वे अभी भी मातृ वृक्ष से जुड़े हुए हैं। इस घटना को विविपरी के रूप में जाना जाता है जहाँ भ्रूण पेरिकारप को फोड़ देता है और उससे आगे बढ़ता है। एक दूसरे समूह में, जिसमें एगैसेरस, लैगुनकुलिया, पेलिसिएरा और एविसेनिया की प्रजातियाँ शामिल हैं, भ्रूण, फल के भीतर विकसित होते हुए, पेरिकारप को फटने के लिए पर्याप्त रूप से नहीं बढ़ाता है। इसे हचिंग्स और सैगर (1987) द्वारा क्रिप्टोविपाइपरी कहा गया है। Excoecaria, Sonneratia, Heritiera और Xylocarpus की प्रजातियाँ जीवत नहीं हैं। हालांकि,

उपर्युक्त सभी प्रजातियाँ बुआई योग्य बीज का उत्पादन करती हैं जो विशेष रूप से पानी से छितरी हुई होती हैं और ज्वार के पानी से घिरे जंगल के किसी भी कोने तक पहुंचने में सक्षम हैं। अधिकांश बीज जो कम ज्वार के दौरान मां के पेड़ों से गिरते हैं, वे नरम मिट्टी से चिपक जाते हैं और जल्दी से जड़ें मारते हैं। विविपेरस के बीज के मामले में, पहले से ही मौजूद हाइपोकोथिल में मौजूद अगेती जड़ें अंकुरित होती हैं और अंकुरित होते हैं। हालांकि, सभी मामलों में बाद के उच्च ज्वार द्वारा गाद का जमाव एक बेहतर पकड़ को सुरक्षित करने के लिए बीज या अंकुरों की मदद करता है। ऐसे उदाहरणों में जहाँ बीज या अंकुर उच्च ज्वार के दौरान गिरते हैं, वे तब तक पानी में तैरते रहते हैं जब तक कि वे एक मिट्टी के सब्सट्रेट के संपर्क में नहीं आते और जड़ों से टकराते रहते हैं। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि अधिकांश मैंग्रोव बीज नमकीन वातावरण में रहते हुए भी लंबे समय तक व्यवहार्यता बनाए रखते हैं, लेकिन उस वातावरण से हटाए जाने के तुरंत बाद व्यवहार्यता खो देते हैं। सामान्य प्राकृतिक उत्थान मैंग्रोव संरचनाओं के तहत क्षेत्रों में होने लगता है। कई उदाहरणों में, अग्रिम विकास खुद को स्थापित करता है और चंदवा में एक उद्घाटन के लिए इंतजार करता है। दूसरी ओर, मौजूदा वनस्पतियों के समाशोधन के माध्यम से साइट की स्थितियों में आमूल-चूल परिवर्तन या जल व्यवस्था में परिवर्तन से पुनर्जनन प्रक्रिया पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। खुले क्षेत्रों में सूखी मिट्टी अक्सर प्राकृतिक मैंग्रोव उत्थान का पक्ष नहीं लेती है और अचरोस्टिचम की अवांछनीय प्रजातियों द्वारा आक्रमण किया जाता है।

सिल्विकल्चरल सिस्टम

एशिया के अपवाद के साथ, मैंग्रोव संरचनाओं वाले अधिकांश देशों में संसाधन पर कोई व्यवस्थित सिल्विकल्चर या प्रबंधन लागू नहीं होता है। हालांकि, उन देशों में मैंग्रोव जहाँ संरचनाओं का प्रबंधन वैज्ञानिक रूप से नहीं किया जाता है और ईंधन, लकड़ी का कोयला, खाज सामग्री, निर्माण और नाव-निर्माण लकड़ी, खंभे, टैनिन का एक स्रोत, आदि जैसे घरेलू उपयोग और मछली के इलाज के लिए बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है। सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला मैंग्रोव लकड़ी का कमोडिटी बना हुआ है। सभी उष्णकटिबंधीय दुनिया में, मैंग्रोव को नियमित रूप से तटीय समुदायों द्वारा उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए काटा जाता है, लेकिन मैंग्रोव का उपयोग निर्वाह, छोटे पैमाने पर कटाई तक ही

1. 'कॉपर मैट' में मुख्यतः होते हैं
a. Cu_2O व FeO b. Cu_2S व FeS
c. Cu_2O व FeS d. Cu_2S व FeO
e. इनमें से कोई नहीं
2. विरंजक चूर्ण में क्लोरीन की ऑक्सीकरण अवस्था है
a. +1 b. -1 c. शून्य
d. +1 तथा -1 e. इनमें से कोई नहीं
3. निम्नलिखित में से अक्रिस्टलीय ठोस कौन सा है?
a. शर्करा b. सोडियम क्लोराइड
c. हीरा d. कांच e. इनमें से कोई नहीं
4. आवर्त सारणी में निम्नलिखित समूह के तत्वों को "चेलकोजेन" कहते हैं।
a. वर्ग-18 b. वर्ग - 17 c. वर्ग - 16
d. वर्ग-15 e. इनमें से कोई नहीं
5. निम्नलिखित ऑक्साइडों में कौन सा उभयधर्मी प्रकृति का है?
a. SO_2 b. CO_2 c. P_2O_5
d. CaO e. इनमें से कोई नहीं
6. उत्क्रमणीय अभिक्रिया का एक उदाहरण है
a. $\text{AgNO}_3(\text{aq.}) + \text{HCl}(\text{aq.}) + \text{AgCl}(\text{s.}) + \text{HNO}_3(\text{aq.})$
b. $2\text{Na} + 2\text{H}_2\text{O} \rightarrow 2\text{NaOH} + \text{H}_2$
c. $\text{NaOH} + \text{CH}_3\text{COOH} \rightarrow \text{CH}_3\text{COONa} + \text{H}_2\text{O}$
d. $\text{Pb}(\text{NO}_3)_2 + 2\text{NaI} \rightarrow \text{PbI}_2 + 2\text{NaNO}_3$
e. इनमें से कोई नहीं
7. CaCO_3 की तापीय विघटन है $\text{CaCO}_3 \rightarrow \text{CaO} + \text{CO}_2$
a. बन्द पात्र में उत्क्रमणीय अभिक्रिया
b. अनुत्क्रमणीय अभिक्रिया खुले पात्र में
c. दोनों a और b सही है
d. क्रिया समीकरण गलत है
e. इनमें से कोई नहीं
8. टेप्लान का एकलक है
a. टेट्राफ्लोरोइथीन b. इथलीन
c. ग्लाइकाल d. प्रोपीन
e. इनमें से कोई नहीं
9. पोटेशियम की आवर्त सारणी में स्थिति है
a. वर्ग-I, आवर्त -IV
b. वर्ग - II आवर्त-III
c. वर्ग - III, आवर्त - IV
d. वर्ग-I, आवर्त - II
e. इनमें से कोई नहीं
10. द्रव अमोनिया में क्षारीय धातु का विलयन का नीला रंग इस कारण से होता है
a. धातु आयन b. अमोनिया युक्त इलेक्ट्रॉन
c. NH_3 d. अमोनिया युक्त धातु आयन
e. इनमें से कोई नहीं
11. लम्बी श्रंखला युक्त मोनोकार्बोक्सिलिक अम्लों के सोडियम तथा पोटेशियम लवण कहलाते हैं
a. साबुन b. तेल और वसा
c. प्रोटीन d. अपमार्जक
e. इनमें से कोई नहीं
12. निम्नलिखित में से कौन लूइस क्षार है ?
a. Cu^{2+} b. BF_2
c. Ni d. CO
e. इनमें से कोई नहीं
13. 0.1 N NaOH विलयन का pH है
a. 0.1 b. 13.9 c. 1
d. 13 e) इनमें से कोई नहीं
14. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
a. NH_3 से CH_4 अधिक अम्लीय है
b. HI से HF अधिक अम्लीय है
c. HBr से HCl अधिक अम्लीय है
d. HCl से HF अधिक अम्लीय है
e. इनमें से कोई नहीं
15. विशुद्ध पानी में CH_3COONa मिलाने पर पानी का pH में परिवर्तन होता है। यह इस प्रकार है
a. >7 b. <7
c. सात के समान d. उपरोक्त सभी सही
e. इनमें से कोई नहीं
16. हाइड्रोजन के समस्थानिकों में भिन्नता होती है
a. समस्थानिकों के नाभिक में न्यूट्रॉनों की संख्या
b. समस्थानिकों के नाभिक में प्रोटॉन की संख्या
c. समस्थानिकों में इलेक्ट्रॉन की संख्या
d. सभी समस्थानिकों में प्रोटॉन तथा न्यूट्रॉन की संख्या समान होते हैं
e. इनमें से कोई नहीं
17. पोर्टलैण्ड सीमेन्ट में निम्न में कौन उपस्थित नहीं है ?
a. Ca_2SiO_4 b. CaSiO_3
c. $\text{Ca}_3\text{Al}_2\text{O}_6$ d. $\text{Ca}_3(\text{PO}_4)_2$
e. इनमें से कोई नहीं
18. कॉपर पाइराइट का सान्द्रण इस विधि द्वारा किया जाता है
a. फेन फ्लवन विधि b. विद्युत चुम्बकीय विधि
c. घनत्विय पृथक्करण विधि d. उपरोक्त में से सभी सही है e. इनमें से कोई नहीं
19. निम्नलिखित में से कौनसा रेखीय बहुलक नहीं है?
a. पॉलिथीन b. पॉलीविनाइल क्लोराइड
c. पॉलिस्टाइरीन d. नायलॉन -66
e. इनमें से कोई नहीं
20. मैलेकाइट निम्नलिखित धातु का अयस्क है
a. ऐलुमिनियम b. आयरन
c. सिल्वर d. जिंक
e. इनमें से कोई नहीं
21. निम्नलिखित में से कौनसा अनुचुम्बकीय है ?
a. N_2O b. N_2O_3
c. NO_2 d. N_2O_4
e. इनमें से कोई नहीं
22. निम्नलिखित अणुओं में से कौनसा कोणीय आकृति का नहीं है?
a. O_3 b. NO_2
c. SO_2 d. H_2O
e. इनमें से कोई नहीं
23. निम्न में कौन कार्बोनेट आयन का उत्तम संरचना प्रस्तुत करता है?
a) $\text{R}-\text{C} \begin{matrix} \nearrow \text{O} \\ \searrow \text{O} \end{matrix}$
b) $\text{R}-\text{C} \begin{matrix} \nearrow \text{O} \\ \searrow \text{O} \end{matrix}$
c) $\text{R}-\text{C} \begin{matrix} \nearrow \text{O} \\ \searrow \text{O} \end{matrix}$
d) $\text{R}-\text{C} \begin{matrix} \nearrow \text{O} \\ \searrow \text{O} \end{matrix}$
e. इनमें से कोई नहीं
24. एक सहबहुलक बनता है जब
a. दो समबहुलक आपस में क्रिया करते हैं
b. दो या दो से अधिक विभिन्न प्रकार के एकलकों
- आपस में क्रिया करते हैं
c. तीन समान समबहुलक आपस में क्रिया करते हैं
d. दो समान एकलकों को आपस में क्रिया कराने पर
e. इनमें से कोई नहीं
25. तेल और वसा है
a. ग्लाइकॉल का डाईएस्टर
b. ग्लिसरॉल का ट्राईएस्टर
c. ग्लिसरॉल का डाईएस्टर
d. ग्लिसरॉल का मोनोएस्टर
e. इनमें से कोई नहीं
26. अणु सूत्र के $\text{C}_4\text{H}_{10}\text{O}$ के कुल अल्कोहल के समावयवी कितने होंगे?
a. 2 b. 3
c. 4 d. 7
e. इनमें से कोई नहीं
27. जब CH_3MgI (ग्रिन्मार्ड अभिकर्मक) को फार्मलडिहाइड से क्रिया कराते हैं तथा बने हुए यौगिक को जल को अपघटन करने पर हमें प्राप्त होता है
a. $\text{CH}_3-\text{CH}_2-\text{OH}$ b. CH_3OH
c. CH_3COOH d. CH_3I
e. इनमें से कोई नहीं
28. बेन्जीन में एसिटिक अम्ल द्वियक अवस्था में इस कारण से होता है
a. संघनन
b. कार्बोनिल समूह की उपस्थिति से
c. $\alpha\text{-H}$ परमाणु की उपस्थिति से
d. हाइड्रोजन बन्ध से
e. इनमें से कोई नहीं
29. ऐसे पदार्थ जो अम्ल तथा क्षारक दोनों की तरह व्यवहार करते हैं, कहलाते हैं
a. प्रबल अम्ल b. दुर्बल अम्ल
c. प्रबल क्षारक d. उभयधर्मी
e. इनमें से कोई नहीं
30. H तथा OH के संयोग से पानी का बनना कहलाता है
a. जल अपघटन b. उदासीनीकरण
c. निर्जलीकरण d. डिहाइड्रोहेलोजनीकरण
e. इनमें से कोई नहीं
- PHYSICS (Pape-III.(Part-II))
31. प्रकाश तीन विभिन्न माध्यमों से नीचे दिए गए चित्र के अनुसार गुजरता है
निम्न में से कौनसा कथन सत्य है ?
- 
- a. माध्यम 1 का अपवर्तनांक न्यूनतम है।
b. माध्यम 2 का अपवर्तनांक उच्चतम है।
c. माध्यम 2 का अपवर्तनांक माध्यम 3 के अपवर्तनांक की तुलना में कम है।
d. माध्यम 1 का अपवर्तनांक माध्यम 3 के अपवर्तनांक की तुलना में कम है।
e. उपरोक्त समस्त कथन सत्य हैं।
32. पूर्ण आंतरिक परावर्तन होने के लिए क्या शर्त/शर्तें आवश्यक है/हैं ?